

संख्या— /XV-2/08(02)/2014

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-02

देहरादून: दिनांक २४ जनवरी, 2015:

विषय— पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत वर्ष 2014-15 हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-953/पर्योक्षेतायो/2014-15, दिनांक 03 दिसम्बर, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजना (राज्य सैकटर) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014-15 में द्वितीय अनुपूरक मांग के माध्यम से हुई बजट व्यवस्था रु० 25.00 लाख (रूपये पच्चीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो समक्ष अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
2. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्त पुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
3. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी०एम०-०८ प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
4. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि को दिनांक 31-03-2015 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध करायी जाय।
6. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
7. धनराशि का उपयोग उपरान्त कराये गये कार्यों की योजनावार/लाभार्थीवार/ग्रामवार सूची एवं व्यय का विवरण शासन/नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

2— उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोजनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-03-पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-132(P)/XXVII-4/2014, दिनांक 20 जनवरी, 2015 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)

प्रमुख सचिव।

संख्या- ३७ (1)/XV-2/2015 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मा० मंत्री, मत्स्य को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, /नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

उप सचिव।